चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....

दिनांक ....पृष्ठ संख्या ......3............कॉलम ....

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एच.ए.यू. के गिरि सेंटर में सिंथैटिक ट्रैक और इंटरनैशनल साइंटिस्ट हॉस्टल का किया उद्घाटन, कहा -

'खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथैटिक ट्रैक'

■ मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने ट्रैक पर लगाई दौड़

[illegible]

[illegible]

वर्ष 2021 में खेलों की मेजबानी करेगा हरियाणा

[illegible]

कुलपति ने गिनवाई खेलों में उपलब्धियां

[illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......हरि भूमि.......

दिनांक ...30.11.2020....पृष्ठ संख्या......9..........कॉलम.......2-6.......

ट्रैक बनाकर दे दिया, अब खिलाड़ी नाम रोशन करें : मुख्यमंत्री

एचएयू में सिंथेटिक ट्रैक व इंटरनेशनल सांइटिस्ट होस्टल का किया उद्घाटन

खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित गिरी सेंटर में करीब 8 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों को समर्पित कर दिया है। उम्मीद है यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर कही। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का उद्घाटन किया। हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया।

हिसार। सिंथेटिक ट्रैक व साइंटिस्ट हॉस्टल के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहरलाल के साथ हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा।

आ रहे सकारात्मक परिणाम

मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। इस मौके पर उन्होंने आशा जताई कि इन खेलों में मेजबानी के [illegible]

नाम चमका चुके हैं खिलाड़ी : प्रोफेसर

कुलपति ने बताया कि गिरी सेंटर में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एक करोड़ [illegible] लाख रुपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के [illegible] का कार्य करवाया गया है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह ट्रैक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एथलेटिक्स खेलों के आयोजन, [illegible] और उसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों के [illegible] को निर्धारित करती है।

कार्रवाई की गई

इस मौके पर जानकारी देते हुए खेल कल्याण निदेशक डॉ. [illegible] ने कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों ने [illegible] ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। [illegible] खिलाड़ियों ने [illegible] देश का नाम भी रोशन किया है।

[illegible] कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर तथा लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......................................

दिनांक .... पृष्ठ संख्या..........1.......... कॉलम.....2-8.........

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा ट्रैक : मनोहर

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 4.56 करोड़ की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक हॉस्टल का उद्घाटन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...........दैनिक भास्कर...........
दिनांक 30.11.2022........पृष्ठ संख्या.........4.........कॉलम.........3-6.........

एचएयू स्थित गिरी सेंटर में बने सिंथेटिक ट्रैक का सीएम ने किया शुभारंभ, वीसी ने ट्रैक की गिनाईं उपलब्धियां

20 साल में एचएयू ने 53 गोल्ड, 86 सिल्वर और 57 कांस्य मेडल जीते

एचएयू ने ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में लहराए परचम

भास्कर न्यूज | हिसार

खेलों में पदक दिलाने में एचएयू और साई सेंटर अहम भूमिका निभा रहा है। सिंथेटिक ट्रैक के शुभारंभ पर वीसी प्रो. समर सिंह और अन्य ने बताया कि वर्ष 2000 से लेकर अब तक एचएयू के खिलाड़ी 53 गोल्ड, 86 सिल्वर और 57 कांस्य पदक हासिल कर चुके हैं। यही नहीं यही से प्रैक्टिस कर पदमश्री से लेकर एशियन गेम्स तक का सफर तय किया है। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने भी इसके लिए एचएयू और साई के अधिकारियों की सराहना की।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विवि की खेल उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलिंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवॉर्ड विजेता रही हैं। संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलिंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलिंपिक, लॉस एंजल्स ओलिंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एमएस दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मवीर सिंह, ओपी कुंडू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूर्नामेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवरऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रही है। ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विवि ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं। कार्यक्रम में विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह वीर चक्र, पीआरओ डॉ. रविंद्र ढिल्लो, देविंद्र कुमार, अनिल कुमार दूहन आदि भी मौजूद।

एचएयू में सिंथेटिक ट्रैक के शुभारम्भ के बाद लड़कों की 400 मीटर की दौड़ करवाई गई।

सीएम, डिप्टी स्पीकर और एचएयू के वीसी ने भी लगाई दौड़

एचएयू में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद सीएम ने कहा कि देख तो लूं, सिंथेटिक ट्रैक कैसा बनाया गया है। सीएम खुद ट्रैक पर दौड़ने लगे। उनके साथ डिप्टी स्पीकर रणवीर गंगवा, वीसी डॉ. समर सिंह ने भी कुछ दूर तक दौड़ लगाई। पहले खेलो इंडिया में हरियाणा का दूसरा स्थान था। इस बार प्रयास रहेगा कि हरियाणा का प्रथम स्थान आए। इस अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई।

जानिए.... क्या हैं ट्रैक की खासियतें

- 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया।
- इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।
- विश्व एथलेटिक्स संघ ने क्लास-वन का प्रमाण-पत्र दिया है।
- इस मुंबई की स्पोर्ट्स फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने एक वर्ष में तैयार किया।
- इस ट्रैक में प्रयोग सभी सामान मेड इन यूरोप है जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया है।
- एक करोड़ एक लाख रुपए की राशि से एचएयू गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर

दिनांक: 30.11.2020 पृष्ठ संख्या: 3 कॉलम: 2-4

हिसार के पुराना राजकीय कॉलेज मैदान में पिछड़ा वर्ग-ए की वर्चुअल रैली

पहले उन लोगों को मदद करनी चाहिए, जो अंतिम कतार में खड़े हैं: मुख्यमंत्री

भास्कर न्यूज़ | हिसार

पुराना राजकीय कॉलेज मैदान में रविवार दोपहर को सीएम मनोहर लाल ने पिछड़ा वर्ग-ए की वर्चुअल रैली को संबोधित किया। रैली में सीएम ने पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में रखी गई मांगों पर गोल मोल जवाब दिया। उन्होंने क्रीमीलेयर पर वहां मौजूद लोगों से हाथ खड़े करवा कर पक्ष जाना और साथ कह दिया कि पहले उन लोगों को मदद करनी चाहिए, जो अंतिम कतार में खड़े हैं। भाजपा ने इसे अंत्योदय नाम दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब सरकारी नौकरी उन्हें मिलती थी, जिनके हाथ में पैसा और ताकत थी। क्लास वन ओर टू अफसर बनने के लिए करोड़ों के लेन-देन होते थे। एक रुपया खर्च करके नौकरी पाने वाला दस रुपए का भ्रष्टाचार करता था। इस सिस्टम को भाजपा सरकार ने तोड़ दिया है। इस दौरान पिछड़ा वर्चुअल रैली की अध्यक्षता रणवीर गंगवा ने की।

एचएयू के गिरी सेंटर में ट्रैक व इंटरनेशनल सांइटिस्ट हॉस्टल का किया उद्घाटन

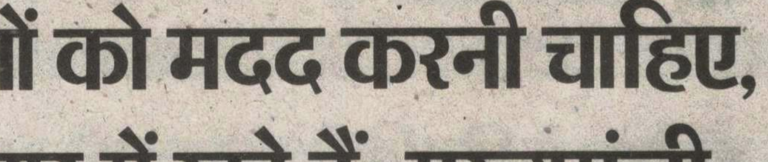

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक का रविवार को प्रदेश के सीएम ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई। उन्होंने कहा कि यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। इस बार खेलो इंडिया के तहत खेलों की मेजबानी हरियाणा करेगा। पंचकूला में खेल आयोजित किए जाएंगे। खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट होंगे। खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......

दिनांक ..30.11.2020.... पृष्ठ संख्या......3...... कॉलम......3-4......

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में रविवार को सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़ लगाते हुए। • गुलशन बजाज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक 30.11.2020 पृष्ठ संख्या ....4.... कॉलम ....6.8....

खेलो इंडिया के लिए दौड़े मुख्यमंत्री, बोले- प्रदेश को दूसरे से पहले नंबर पर लाना है

जागरण संवाददाता, हिसार: खेलो इंडिया कार्यक्रम की मेजबानी हरियाणा कर रहा है। ऐसे में अपनी तैयारियों के जरिए प्रदेश सरकार खेलो इंडिया में पहले पायदान पर आने का लक्ष्य लेकर चल रही है। पिछले वर्ष हरियाणा इन प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहा था। रविवार को हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन करते हुए सीएम मनोहर लाल ने इस लक्ष्य को साझा कर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक ट्रैक जैसी सुविधाएं हमारी खेलो इंडिया कार्यक्रम में तैयारियों को मजबूत करेंगी।

पंचकूला में आयोजित होगा खेलो इंडिया कार्यक्रम

सीएम ने सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन करने के साथ ही ट्रैक पर पहुंचकर दौड़ भी लगाई। उनके साथ दौड़ में कुलपति प्रो. समर सिंह, डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, विधायक कमल गुप्ता, जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र, मेयर गौतम सरदाना मुख्य रूप से शामिल रहे। इसके बाद सीएम ने खेलो इंडिया की मेजबानी हरियाणा को देने पर राष्ट्रीय स्तरीय खेल विभाग को धन्यवाद दिया। खेलो इंडिया कार्यक्रम पंचकूला में आयोजित होगा इसमें अलग-अलग प्रकार की 20 प्रतियोगिताएं होंगी। प्रदेश में जिन स्थानों पर स्टेडियम और खेलों की अत्याधुनिक सुविधाएं हैं, उन जिलों को केंद्र बनाया गया है।

1.1 करोड़ रुपये से विवि में फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया

करीब दो वर्ष पहले एचएयू पूर्व कुलपति प्रो. केपी सिंह ने भारत सरकार के खेल मंत्रालय के साथ सामंजस्य बैठाकर एचएयू में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण की नींव रखी थी। खेल मंत्रालय ने भी इस बात को समझा और खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रुपये जारी किए। इसके बाद एक करोड़ एक लाख रुपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का भी कार्य कराया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़ लगाते खिलाड़ी। • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक ....30.11.2020....पृष्ठ संख्या.....2.........कॉलम.....2-4.......

हिसार के हकृवि में रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं अन्य नेता अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक पर दौड़ लगाते हुए। -निस

मील का पत्थर साबित होगा अंतर्राष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक

हिसार (निस): अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक और साइंटिस्ट हॉस्टल का उद्घाटन करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 करोड़ 65 लाख की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है, जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**30.11.2020**	——	--

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा प्रदेश : सीएम

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाडियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे।

यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साईंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाडियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाडियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लडक़ों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम चमका चुके हैं खिलाड़ी : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाडियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह राशि भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अलावा एक करोड़ एक लाख रूपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है। इस ट्रैक की खासियत के बारे में बताते हुए कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसके लिए विश्व एथलेटिक्स संघ ने क्लास-वन का प्रमाण-पत्र दिया है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अयोजित की जाने वाली एथलेटिक्स खेलों के आयोजन, संचालन और उसमें भाग लेने वाले खिलाडियों के चयन संबंधी सभी गतिविधियों को नियंत्रित करती है। इस ट्रैक को मुंबई की स्पोर्ट्स फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने लगभग एक वर्ष में तैयार किया है। इस ट्रैक में प्रयोग किया गया सभी सामान मेड इन यूरोप है जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**30.11.2020**	——	--

सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए साबित होगा मील का पत्थर : सीएम मनोहर लाल

हिसार (संदीप सिंहमार)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। वह रविवार हिसार में इस अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम संचालित है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोरावस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसमें बीस तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाड़ियों का आह्वान किया कि वे अभी से इसकी तैयारियों में जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। इस अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**29.11.2020**	——	--

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मुख्यमंत्री

एचएयू के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक और इंटरनेशनल सांइटिस्ट होस्टल का किया उदघाटन

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा प्रदेश : सीएम

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री नोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम चमका चुके हैं खिलाड़ी : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह राशि भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अलावा एक करोड़ एक लाख रूपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है। इस ट्रैक की खासियत के बारे में बताते हुए कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसके लिए विश्व एथेलेटिक्स संघ ने क्लास-वन का प्रमाण-पत्र दिया है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एथलेटिक्स खेलों के आयोजन, संचालन और उसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों के चयन संबंधी सभी गतिविधियों को नियंत्रित करती है। इस ट्रैक को मुंबई की स्पोर्ट्स फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने लगभग एक वर्ष में तैयार किया है। इस ट्रैक में प्रयोग किया गया सभी सामान मेड इन यूरोप है जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया है।

ये रही हैं विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय की खेल उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवार्ड विजेता रही हैं। इसी प्रकार संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलंपिक, लॉस एंजल्स ओलंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एम.एस. दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मवीर सिंह, ओ.पी. कुण्डू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूर्नामेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवर ऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रही है। इसी प्रकार बॉक्सिंग, योगा, बास्केट बॉल, कोर्टबॉल, कबड्डी, स्कवेश रैकेट, बैडमिंटन, हैंडबाल आदि में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं।

ये रहे मौजूद

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह वीर चक्र के अलावा जिले के प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष और शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू न्यूज	**29.11.2020**	——	--

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मनोहर लाल

सीएम ने एचएयू के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक व इंटरनेशनल साइंटिस्ट होस्टल का किया उद्घाटन

हिसार/प्रवीन कुमारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाडियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कायक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाडियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है।

उन्होंने खिलाडियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमर सिंह ने ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाडियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पद्मश्री अवार्ड विजेता रही हैं। इसी प्रकार संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलंपिक, लॉस एंजल्स ओलंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एम.एस. दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मवीर सिंह, ओ.पी. कुण्डू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाडियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	**29.11.2020**	——	--

खिलाडियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मनोहरलाल

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा

वाटिका@हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाडियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतर्राष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री न विश्वविद्यालय में ही साईटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाडियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके

तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाडियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लडकों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाडियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह राशि भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अलावा एक करोड़ एक लाख रुपए की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय की खेल उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाडियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवार्ड विजेता रही हैं। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूनामेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवर ऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रही है। ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज न्यूज	**29.11.2020**	——	--

एचएयू के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक और इंटरनेशनल साइंटिस्ट होस्टल का किया उद्घाटन

'मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक'

उपलब्धि

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा

आज समाज नेटवर्क

सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन करने के बाद ट्रैक पर दौड़ लगाते मुख्यमंत्री मनोहरलाल व अन्य।

सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा।

इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा।

'विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम चमका चुके हैं खिलाड़ी'

विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है।

विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियां

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय की खेल उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवार्ड विजेता रही हैं। इसी प्रकार संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलंपिक, लॉस एंजल्स ओलंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एम.एस. दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मवीर सिंह, ओ.पी. कुण्डू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूनार्मेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवर ऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रही है। इसी प्रकार बॉक्सिंग, योगा, बास्केट बॉल, कोर्टबॉल, कबड्डी, स्कवेश रैकेट, बैडमिंटन, हैंडबाल आदि में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**29.11.2020**	——	--

हकृवि में बने सिंथेटिक ट्रैक का सीएम ने किया उद्घाटन

हिसार/29 नवंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कही। वे आज सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य कैंद्र पंचकूला होगा। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा को मिली है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इस

अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई। विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। इस ट्रैक की खासियत के बारे में बताते हुए कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसके लिए विश्व एथेलेटिक्स संघ ने क्लास-वन का प्रमाण-पत्र दिया है। इस ट्रैक में प्रयोग किया गया सभी सामान मेड इन यूरोप है जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवार्ड विजेता रही हैं। इसी प्रकार संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलंपिक, लॉस एंजल्स ओलंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एमएस दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मवीर सिंह, ओपी कुंडू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूर्नामेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवर ऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रहा है। इसी प्रकार बॉक्सिंग, योगा, बास्केट बॉल, कोर्टबॉल, कबड्डी, स्कवेश रैकेट, बैडमिंटन, हैंडबाल आदि में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं। इस अवसर पर डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, विधायक डॉ. कमल गुप्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह वीर चक्र आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.11.2020	——	--

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मनोहर लाल

एचएयू के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक और इंटरनेशनल सांइटिस्ट होस्टल का किया उद्घाटन

सिंथेटिक ट्रैक का उद्घाटन करने के बाद ट्रैक पर दौड़ लगाते हुए तथा सिंथेटिक ट्रैक व साइंटिस्ट हॉस्टल का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल। उनके साथ हैं हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी व एसपी बलवान सिंह राणा।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं।

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा प्रदेश

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई। विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह राशि भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अलावा एक करोड़ एक लाख रूपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है। इस ट्रैक की खासियत के बारे में बताते हुए कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसके लिए विश्व एथेलेटिक्स संघ ने क्लास-वन का प्रमाण-पत्र दिया है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एथलेटिक्स खेलों के आयोजन, संचालन और उसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों के चयन संबंधी सभी गतिविधियों को नियंत्रित करती है। इस ट्रैक को मुंबई की स्पोर्ट्स फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने लगभग एक वर्ष में तैयार किया है। इस ट्रैक में प्रयोग किया गया सभी सामान मेड इन यूरोप है जिसे इंग्लैंड से मंगवाया गया है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विश्वविद्यालय की खेल उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि यहां से अभ्यास कर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों में गीता जुत्शी ने ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया व पदमश्री अवार्ड विजेता रही हैं। इसी प्रकार संत कुमार ने वर्ष 1980 मास्को ओलंपिक, आठवें एशियन गेम्स, जगमती ने सियोल ओलंपिक, लॉस एंजल्स ओलंपिक, एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके अलावा एम.एस. दहिया, ज्ञान सिंह, सुखबीर सिंह, कर्मबीर सिंह, ओ.पी. कुण्डू, जगदीप हुड्डा और संदीप चहल जैसे खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बल पर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटीज/नार्थ जॉन इंटर यूनिवर्सिटीज टूर्नामेंट में कुश्ती में यह विश्वविद्यालय सात बार ओवर ऑल चैंपियन व तीन बार रनर अप रही है। इसी प्रकार बॉक्सिंग, योगा, बास्केट बॉल, कोर्टबॉल, कबड्डी, स्कवेश रैकेट, बैडमिंटन, हैंडबाल आदि में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया इंटर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज खेलों में वर्ष 1999-2000 से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने 53 गोल्ड मेडल, 86 सिल्वर मेडल व 57 कांस्य पदक हासिल किए हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह वीर चक्र के अलावा जिले के प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष और शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

SARVODAYA

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धू न्यूज	**29.11.2020**	––	--

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा प्रदेश : खट्टर

हिसार, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ष के खिलाडियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है। उन्होंने खिलाडियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लडकों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम चमका चुके हैं खिलाड़ी

विश्वविद्यालय के कुलपति ने मुख्यातिथि के समक्ष विश्वविद्यालय की खेलों में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि यहां से अभ्यास करने वाले खिलाडियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम चमकाया है। उन्होंने बताया कि एचएयू की परिधि में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 4 करोड़ 65 लाख रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया गया है। यह राशि भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अलावा एक करोड़ एक लाख रूपये की राशि से विश्वविद्यालय ने गिरी सेंटर के फेस लिफ्टिंग का कार्य कराया है

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगत क्रान्ति	**29.11.2020**	——	--

खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा सिंथेटिक ट्रैक : मनोहर लाल

- **बोले, वर्ष 2021 में खेलो इंडिया के तहत होने वाले खेलों की मेजबानी करेगा प्रदेश**
- **एचएयू के गिरी सेंटर में सिंथेटिक ट्रैक और इंटरनेशनल साइंटिस्ट होस्टल का किया उद्घाटन**

हिसार/विनोद गांधी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में करीब 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बना सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहां से अभ्यास कर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। यह बात प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कही। वे रविवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थित गिरी सेंटर में बने अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ट्रैक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में ही अंतरराष्ट्रीय साइंटिस्ट हॉस्टल का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की खेलों में हासिल उपलब्धियों का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 वर्ष तक की आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाया हुआ है जिसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे किशोर अवस्था में ही खिलाड़ी अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होते हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत वर्ष 2021 में आयोजित किए जाने वाले खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश करेगा और इसका मुख्य केंद्र पंचकूला होगा। इस खेल महाकुंभ में देशभर से 12 से 15 हजार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसके तहत करीब 20 तरह के इवेंट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के तहत नवंबर या दिसंबर माह में ही प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते यह संभव नहीं हो पाया। इसलिए अगले वर्ष के लिए इन खेलों की मेजबानी हरियाणा प्रदेश को मिली है।

उन्होंने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे अभी से इनकी तैयारियों के लिए जुट जाएं ताकि इन खेलों में वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन खेलों के सफल आयोजन में शिक्षा विभाग व खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इन खेलों में मेजबानी के साथ-साथ विजेता बनने पर जोर रहेगा। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लड़कियों की सौ मीटर व लड़कों की चार सौ मीटर की दौड़ भी करवाई गई थी। इसके अलावा स्वयं मुख्यमंत्री, कुलपति व अन्य अधिकारियों ने भी ट्रैक पर दौड़ लगाई। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा, हिसार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता, बीजेपी जिलाध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र सिंह वीर चक्र के अलावा जिले के प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष और शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	**30.11.2020**	Online	--

Haryana CM Inaugurates Synthetic Track Constructed At A Cost Of Rs 4.65 Crore

Chandigarh (The Hawk): Haryana Chief Minister, Mr. Manohar Lal said that the synthetic track constructed at a cost of Rs. 4.65 crore at Giri Centre in Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, will prove to be a milestone for sportspersons. After practicing from here, the sportspersons will bring laurels to the state and country at the national and international level.

Mr. Manohar Lal was addressing a gathering at the inauguration of this international synthetic track. After this, the Chief Minister also inaugurated the International Scientists' Hostel in the university itself.

The Chief Minister said that the Khelo India programme is being run for the sportspersons up to the age of 19 years, with very positive results. With this, the sportspersons are able to make their mark at the national and international level by practicing in their teens, he added. He said that Haryana will host the Khelo India Games- 2021 and its main centre will be Panchkula. In this game, 12,000 to 15,000 sportspersons from all over the country will participate and 20 types of events will be organized during the Games. He said that competitions are usually held in November or December under Khelo India, but

this time it was not possible due to COVID-19 Pandemic. Therefore, Haryana will host these games in the coming year.

He called upon the sportspersons to start preparing for it so that they can perform well in these sports. Education Department and Sports Department play an important role in the successful organization of these sports. He expressed hope that along with hosting these games, the emphasis will be on winning as well.

On this occasion, 100 meters race was organized for girls and 400 meters for boys. Apart from this, the Chief Minister, the Vice-Chancellor, and other officers also raced on the track. Vice Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Professor Samar Singh, while apprising the Chief Guest of the achievements of the University's sportspersons said that the players who have practiced here have brought laurels to the university at the international level.

Director of Student Welfare, Dr. Devendra Singh Dahiya, while elaborating about the sporting achievements of the university said that among the sportspersons who have brought laurels to the country by practicing here, Ms. Geeta Zutshi participated in the Olympic Games and has been a Padma Shri award winner.

Haryana Assembly Deputy Speaker, Mr. Ranbir Gangwa, MLA Hisar, Dr. Kamal Gupta, besides the District Administrative Officer, University Founder, Director, and Head of the Department and other dignitaries of the city were also present during the programme.(JMT-INF).

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Top Story	**30.11.2020**	Online	--

Khattar inaugurates synthetic track constructed at a cost of Rs. 4.65 crore

Jag Mohan Thaken
Chandigarh:

Haryana Chief Minister, Mr. Manohar Lal said that the synthetic track constructed at a cost of Rs. 4.65 crore at Giri Centre in Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, will prove to be a milestone for sportspersons. After practicing from here, the sportspersons will bring laurels to the state and country at the national and international level.

Mr. Manohar Lal was addressing a gathering at the inauguration of this international synthetic track. After this, the Chief Minister also inaugurated the International Scientists' Hostel in the university itself.

The Chief Minister said that the Khelo India programme is being run for the sportspersons up to the age of 19 years, with very positive results. With this, the sportspersons are able to make their mark at the national and international level by practicing in their teens, he added. He said that Haryana will host the Khelo India Games- 2021 and its main centre will be Panchkula. In this game, 12,000 to 15,000 sportspersons from all over the country will participate and 20 types of events will be organized during the Games. He said that competitions are usually held in November or December under Khelo India, but this time it was not possible due to COVID-19 Pandemic. Therefore, Haryana will host these games in the coming year.

He called upon the sportspersons to start preparing for it so that they can perform well in these sports. Education Department and Sports Department play an important role in the successful organization of these sports. He expressed hope that along with hosting these games, the emphasis will be on winning as well.

On this occasion, 100 meters race was organized for girls and 400 meters for boys. Apart from this, the Chief Minister, the Vice-Chancellor, and other officers also raced on the track.

Vice Chancellor, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Professor Samar Singh, while apprising the Chief Guest of the achievements of the University's sportspersons said that the players who have practiced here have brought laurels to the university at the international level.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 1.12.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 8

एचएयू के स्टूडेंट की अभी ऑनलाइन ही चलेगी पढ़ाईः एचएयू के कुलपति

हिसार| एचएयू के छात्रों की अभी ऑनलाइन ही पढ़ाई चलेगी। विवि प्रशासन ने निर्णय लिया है। उधर, छात्र भी एचएयू की हेल्पलाइन पर कॉल कर पढ़ाई के ऑनलाइन या ऑफलाइन चलने के बारे में पूछ रहे हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि अभी कोरोना का खतरा कम नहीं हुआ है। इसलिए अभी ऑनलाइन ही पढ़ाई चलेगी। प्रयास रहेगा कि छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी न होने दी जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........ अमर उजाला ....
दिनांक 30.11.2022 ....पृष्ठ संख्या.... 4 ....कॉलम.... 1-3 ....

एचएयू वैज्ञानिकों ने गेहूं की फसल में गुल्ली डंडे या कनकी के नियंत्रण के दिए किसानों को सुझाव

गेहूं बिजाई के तरीकों व रासायनिक विधि से करें गुल्ली डंडे का नियंत्रण

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुल्ली डंडा/कनकी/कनूरी गेहूं का मुख्य खरपतवार है। इस खरपतवार में गेहूं में इस्तेमाल किए जाने वाले ज्यादातर खरपतवारनाशियों के प्रति प्रतिरोधिता आ गई है। गेहूं के कुछ खेतों में पहली सिंचाई करने के बाद प्रयोग की जाने वाली खरपतवारनाशी गुल्ली डंडे पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे। इसलिए गेहूं में इस खरपतवार के नियंत्रण के लिए कुछ प्रभावी तरीके अपनाने पड़ेंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसएस पूनिया के अनुसार किसान रासायनिक व बिजाई के तरीकों को अपनाकर गुल्ली डंडे या कनकी की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

किसान बिजाई के लिए ये अपनाएं तरीके

[illegible]

गेहूं की फसल में उगे गुल्ली डंडा। -फाइल फोटो

हैप्पी व सुपर सीडर से बिजाई है कारगर

[illegible]

फसल चक्र में बदलाव : [illegible]

[illegible]

रासायनिक तरीकों से कम करें इनका प्रभाव

[illegible]

खरपतवारनाशियों का सही चयन

[illegible]

सही मात्रा, सही समय पर छिड़काव

[illegible]

अच्छी नमी में छिड़काव : [illegible]